शिक्षा मंत्रालय की स्टार्स कार्यशाला

स्रोत: पी.आई.बी

हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के भोपालमें दो दिवसीय राज्यों के लिये शिक्षण-अधिगम और परिणाम सुदृढ़ीकरण **Strengthening Teaching-Learning and Results for States (STARS/स्टार्स)** ज्ञान साझा कार्यशाला का आयोजन किया।

- **परिचय:**
  - कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को भविष्य के कार्यबल की चुनौतियों के लिये तैयार करता है, जो स्कूल-टू-वर्क परिवर्तन एवं मूल्यांकन प्रणाली को मज़बूत करने पर केंद्रित था।
- **स्कूल-टू-वर्क परिवर्तन**
  - इसके तहत स्कूल-टू-वर्क बदलाव में **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF)** और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (NCRF) जैसे नीतिगत संरचना की भूमिका पर चर्चा की गई है, जिसमे कौशल विकास शिक्षा का एकीकरण, बहु-विषयक शिक्षा और अनुकूलन क्षमता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- **मूल्यांकन प्रणाली को मज़बूत बनाना**
  - इसमें भविष्य की शिक्षा के लिये मूल्यांकन प्रणालियों को मजबूती प्रदान करने और उसके माध्यम से छात्रों के परिणाम को बढ़ाने पर एक आकर्षक प्रस्तुति प्रदान की गई है।
  - **इसके अंतर्गत कॅरियर विकल्प, यानी व्यक्तिगत अभिरुचि, माता-पिता का दृष्टिकोण और संभावित अवसरों के लिये '3 पी दृष्टिकोण' पर प्रकाश डाला गया है।**
- **शिक्षण-अधिगम और परिणाम सुदृढ़ीकरण (स्टार्स) कार्यक्रम:**
  - इसे केंद्र प्रायोजित कार्यक्रम **अक्तूबर, 2020** में कैबिनेट द्वारा अनुमोदित किया गया था।
  - स्टार्स कार्यक्रम **फरवरी, 2021 से** पाँच वर्ष की अवधि के लिये प्रभावी है जो **वित्तीय वर्ष 2024-25 में समाप्त** होगा।
  - यह **समग्र शिक्षा** का एक घटक है, जो विशेष रूप से कार्यक्रम के उन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है जो सीधे तौर पर स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देते हैं।

और पढ़ें: भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में सुधार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/stars-workshop-of-education-ministry